9754118593

TECHNICAL EDUCATION

TALLY.ERP9

Computer Training Institute | **Directed By-Mr. Murti Nishad**

INDEX

1. Accounts
2. Capital & Drawing
3. Goods & Assets
4. Discount
5. Purchase Return & Sales Return
6. Bad Debts
7. Depreciation
8. Installation Charges
9. Loan Entry
10. Deposit
11. Bank Entry
12. Standard Narration
13. Share & Debenture
14. Nominal A/C
15. Living Stock Entry
16. Expenses, Advances
17. Outstanding Expenses
18. Debit Note & Credit Note

TALLY ACCOUNTING

19. Tax Entry
20. Excise Duty & Sales Tax
21. Income Tax
22. Municipal Tax

TALLY ACCOUNTING

FUNDAMENTAL OF ACCOUNTS

1. Personal A/c (व्यक्तिगत खाता)

किसी भी आदमी,दुकान,कम्पनी और संस्था के नाम का A/c इसके अन्तर्गत आता है ।

Ex :- Ram,kumar,Sohan Book Depot,Laxmi Medical Store,SBI Bank,SriSaibabaComputer Etc.

Rules :- पाने वाला Dr
देने वाला Cr

2. Real A/c (वास्तविक खाता)

कसी भी वस्तु के नाम का A/c इसके अन्तर्गत आता है ।

Ex :-
Car,Furniture,Cash,Land,Stock,Building,Goods,Computer Etc.

Rules :- आने पर Dr
जाने पर Cr

1. Ram को 2050रू नगद दिए
   Ram – Cash
   Ram Dr 2050
   To Cash 2050
2. kumar से 1000रू नगद मिले
   kumar – Cash
   Cash Dr 1000
   To kumar 1000

TALLY ACCOUNTING

3. Computer खरिदा नगद 25000

Computer – Cash

Computer Dr 25000

To Cash 25000

4. Computer बेचा नगद 30000

Computer – Cash

Cash Dr 30000

To Computer 30000

5. Bank में पैसा जमा किया 5000

Bank – Cash

Bank Dr 5000

To Cash 5000

6. Bank से नगद पैसा निकाला 25000

Bank – Cash

Cash Dr 25000

To Bank 25000

7. Manoj से पैसा मिला नगद 5000

Cash Dr 5000

To Manoj 5000

8. Car खरिदा नगद 2500000

Car Dr 2500000

To Cash 250000

9. Lokesh को पैसा दिया 2500

Lokesh Dr 2500

To Cash 2500

10. SBI BanK से नगद पैसा निकाला 6000

Cash Dr 6000

To SBI Bank 6000

TALLY ACCOUNTING

3 -Nominal A/c (नाममात्र के खाते)

एसे A/c जो सिर्फ नाम के होते है ।जिसका कोई अस्तित्व नहिं होता है । जिन्हे हम देख नही सकते है वह Nominal A/c के अन्तर्गत आता है ।

Nominal A/c के अन्तर्गत आने वाले खातो को दो भागों में बांटा जाता है । :–

1. खर्च (Expenses)
2. आय (Income)

खर्च (Expenses)-जिस A/c के नाम से पैसा जाता है वह खर्च (Expenses)कहलता है ।

Ex :- Rent Paid, Salary Paid,

Telephone Bill Paid, Purchase*,Commission, interest Etc. खर्च (Expenses) Dr

आय (Income) - जिस A/c के नाम से पैसा आता है वह **आय (Income)**

कहलता है । Ex :- Rent Rec., Commission Rec, interest Rec.Sale* Etc.**आय (Income)** Cr

1. Commission दिया नगद । 5000
   Commission – Cash
   Commission Paid Dr 5000
   To Cash 25000
2. Interest मिला नगद 5100
   Interest Rec - Cash

TALLY ACCOUNTING

Cash Dr 5100
To interest Rec 5100

3.Salary दिया नगद 7000

Salary - Cash
Salary Dr 7000
To Cash 7000

NOTE :-Cash की जगह Cheque से Payment करने पर या Cash की जगह Cheque से payment मिलने पर Bank का A/c खोलाजाता है । और उसे Cash के स्थान पर रखते है । अर्थात Cash Payment करने पर CashDr होता है तो Cheque मिलने पर BankDr होगा । Cheque Payment करने पर Bank, Cr होगा ।

4. Commission दिया चेक से 7000

Commission Paid - Bank
Commission Paid Dr 7000
To Bank 7000

5. Interest मिला चेक से 700

Interest Rec - Bank
Bank Dr 700
To Interest 700

TALLY ACCOUNTING

CAPITAL & DRAWING A/C & PROPRIETOR A/C

NOTE :-

(1) व्यापार और व्यापार का मालिक दो अलग अलग व्यक्ति माने जाते है और हम

Entryव्यापार के लिए करते है । ना कि व्यापारी के लिए अर्थात यदि Business के पास Cash या वस्तु आति है तो वह Dr होगी और यदि Business के पास से Cash या वस्तु जाती है तो Cr होगी ।

(2) Practical Field में Capital और Drawing का A/c नहीं खुलता है । उसकि जगह व्यापार के मालिक का A/c खुलता है ।

Ex:- Mohan (Prop) Rohan (Prop)

1. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार मे पैसा लगाया (Capital)

   Cash Mohan(Prop)

Cash Dr

To Mohan (Prop)

2. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार से पैसा निकाला (Drawing)

   Mohan (Prop) Cash

   Mohan (Prop) Dr

   To Cash

3. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार मे घरेलू फर्नीचर लगाया Cash

   Furniture Fixture – Mohan (Prop)

   Furniture Fixture Dr

   To Mohan (Prop)

4. मोहन व्यापार के मालिक ने Business के Bank मे अपना निजि पैसा जमा कराया

   Bank- Mohan (Prop)

Bank Dr

To Mohan (Prop)

(Mohan (Prop) Deposited Personal Cash In Business Bank)

TALLY ACCOUNTING

GOODS & ASSETS

NOTE :-

GOODS

1. जिस वस्तु का हम Business करते है वह हमारे लिए Goods की खरीदी पर PurchaseA/c खोलते है । और Good की विक्री पर Sale A/c खोलते है ।

जिस वस्तु का हम Business नहीं करते है (Goods को छोड़ कर सभी बस्तु है)

ASSETS

Assets की खरीदी-बिक्री पर उसके नाम का A/c खोलते है ।
यदि प्रश्न में वस्तु का नाम दिया हो और यह स्पष्ट ना हो कि वह Goods हेया Assets तो उसे Assets मानकर Entery करेगें । अर्थात उसके नाम का A/c खोलेगें ।

(1) कम्प्यूटर खरीदा नगद
Computer – Cash
Computer Dr
To Cash

(2) कम्प्यूटर बेचा नगद
Computer – Cash
Cash Dr
To Computer

(3) माल (Goods) खरीदा नगद

TALLY ACCOUNTING

Purchase – Cash

Purchase Dr

To Cash

(4) माल (Goods) बेचा नगद

Sale – Cash

Cash - Dr

To Sale

(SHORT CUT)

(1) माल खरीदने पर Purchase A/c खोलते है । और Purchase A/c हमेशा Dr होता है ।

नगद चेक से

अधार

Purchase Dr Purchase Dr

Purchase Dr

To Cash To Bank To Party Name

(2) माल बेचने पर Sale A/c खोलते है । और Sale A/c हमेशा Cr होता है।

नगद चेक से

अधार

Cash Dr Bank Dr Party/Name Dr

To Sale To Sale To Sale

TALLY ACCOUNTING

(3) Assets की खरीदी पर उसके नाम का A/c खोलकर उसे Dr करते है।

नगद चेक से

अधार

Assets Name Dr Assets Name Dr Assets Name Dr

To Cash To Bank To Party Name

(4) Assets बेचने पर उसके नाम का A/c खोलकर उसे CR करते है।

नगद चेक से

अधार

Cash Dr Bank Dr Party Name Dr

To Assets Name To Assets Name To Assets Name

(5) Cash आया तो Cash हमेशा Dr

(6) Cash गया तो Cash हमेशा Cr

(7) Check मिलने पर या Bank मे पेसा आने पर Bank Dr

(8) Check देने पर या Bank से पेसा जाने पर Bank Cr

(9) खर्च हमेशा Dr

(10) आय हमेशा Cr

TALLY ACCOUNTING

NOTE :- विभिन्न प्रकार के खर्चो के लिए निम्न Accounting Head खोले जाते है ।

(1) चाय,काफी,नाश्ता,पान ईत्यादी एवं आफीस के छोटेमोटे खर्चे के लिए (Office Expenses)

(2) पेन,पेसिंल,स्टेशनरी से संबंधित कोई भी खर्च(Bill Book,रसिद Book छपवाने का खर्च Photocopy का खर्च) के लिए Printing & Stationery A/c

(3) माल खरीदते समय दिया गया गाड़ी भाड़ा (Carriage Inward.)

(4) माल बेचते समय दिया गया गाड़ी भाड़ा (Carriage Outward.)

(5) बिजली विल चुकाने पर या बिजली का छोटा मोटा सामान खरीदने पर बल्ब,टयूबलाईट,आदी खरिदने पर(Electricity Expenses.)

(6) Telephone Bill चुकाने पर या Telephone का छोटा मोटा सामान खरिदने पर (Telephone Expenses.)

(7) शहर से बाहर या़त्रा का खर्च (Travelling Expenses)

(8) शहर के अंदर आने जाने का खर्च Petrol का खर्च (Conveyance Expenses.) यातायात व्यय

(9) डाक टिकट लिफाफा पोस्ट आफिस से संम्बधिंत कोई भी खर्च (Postage & Telegraph A/c.) यातायात व्यय

(10) मशीन एवं वाहनो की मरम्मत एवं रख रखाव का खच Repairing & maintenance A/c) यातायात व्यय

(11) Television,Newspaper,Hoarding Board या किसी अन्य माध्यम से विज्ञापन कराने का खर्च,Pomplet Visiting Card छपवाने का खर्च (Advertisement Expenses.)

(12) Table कुर्सी या किसी प्रकार का Furniture खरिदने पर

(Furniture & Fixture A/c)

(13) Dog,lion,Cow या किसी भि प्रकार का पालतु जानवर खरीदने पर जो व्यवसाय के प्रयोग मे आता है । (जीवित स्कंध) (Living Stock)

TALLY ACCOUNTING

(14) For News Paper,Megazine,News Bullitine-News Paper & Periodreals A/c has to open

(15) अन्य छोटे मोटे खर्च जो उपरोक्त किस Head मे नही जाती है । उसके लिए Sundary Expenses के लिए खाता खोलेते है ।

TALLY ACCOUNTING

QUESTION

1. माल खरीदा

(a) नगद

Purchase Dr

To Cash

(b) चेक से

Purchase Dr

To Bank

(c)उधार

Purchase Dr

To Ram

2. माल बेचा

(a) नगद

Cash Dr

To Sale

(b) चेक से

Bank Dr

To Sale

(c) उधार (कुमार)

Kumar Dr

To Sale

3. कम्प्युटर खरीदा

(a) नगद

Computer Dr

To Cash

(b) चेक से

Computer Dr

To Bank

(c) उधार (राजु)

Computer Dr

To RAJU

4. कम्प्युटर बेचा

(a) नगद

Cash Dr

To Computer

TALLY ACCOUNTING

(b) चेक से

Bank Dr

To Computer

(c) उधार (रानु)

Ranu Dr

To Computer

5. Bank में पैसा जमा किया

Bank Dr

To Cash

6. Bank से पैसा निकाला

Cash Dr

To Bank

7. Raju व्यापार के मालिक ने व्यापार में पैसा लगाया

(a) नगद

Cash Dr

To Raju (Prop)

(b) चेक से

Bank Dr

To Raju (Prop)

8. Raju व्यापार के मालिक ने व्यापार से पैसा निकाला

(a) नगद

Raju (Prop) Dr

To Cash

(b) चेक से

Raju (Prop) Dr

TALLY ACCOUNTING

To Bank

9. Ramohan को पैसा दिया

(a) नगद

Rammohan Dr

To Cash

(b) चेक से

Rammohan Dr

To Bank

10. Shyamsundar से पैसा मिला

(a) नगद

Cash Dr

To Shyamsundar

(b) चेक से

Bank Dr

To Shyamsundar

11. Dog खरिदा

(a) नगद

Living Stock Dr

To Cash

12. Stul & Furniture खरिदा नगद

Furniture & Fixture A/c Dr

To Cash

13. Corers खर्च नगद

Postage & Telegraph A/c Dr

To Cash

14. Bulab & jhalarers खरिदा नगद

TALLY ACCOUNTING

Electricity Exp. A/c Dr
To Cash

15. Petrol पे खर्च नगद
Convyance Exp. A/c Dr
To Cash

16. T.V. पे विज्ञापन दिया नगद
Advertisement Exp. A/c Dr
To Cash

17. Visiting Card छपवाया
Advertisement Exp. A/c Dr
To Cash

DISCOUNT (छुट)

(1)Trade Discount (व्यापारीक छुट) (2) Cash Discount (नगद छुट

(a)**Trade Discount (व्यापारीक छुट)**कोई भी वस्तु खरीदते समय जो **Discount** मिलता है कोई भी वस्तु बेचते समय जो Discountदिया जाता है वह Trade Discount कहलाता है ।

(b)Trade Discount की अलग से Entry Pass नही की जाती है । उसे सिधा माल के मूल्य में से घटाकर बचे हुए राशि से खरिदी या बिक्री की Entery Passs की जाती है ।

(c)Trade Discout नगद एवं उधारी दोंनो प्रकार की खरीदी/बिक्री पर होता है ।

(1)20000रू का माल 10% TD पर नगद खरीदा

	Price	20000
(-)	TD 10%	2000
	Purchase	18000

Purchase - Cash

TALLY ACCOUNTING

Purchase Dr 18000
To Cash 18000
(Being Goods Purchase @10%TD)

(2)30000रू का माल 10% TD पर रहुल को उधार बेचा
Price 30000
(-) TD 10% 3000
Sale 27000
Sale - Rahul
Rahul Dr 27000
To Sale 27000
(Being Goods Sold @10%TD)

(3)40000रू का Computer 10% TD पर खरीदा
Price 40000
(-) TD 10% 4000
Computer 40000
Computer - Cash
Copmputer Dr 36000
To Cash 36000
(Being Computer Purchase @10%TD)

TALLY ACCOUNTING

(2) Cash Discount (नगद छुट)

(a)**Cash Discount (नगद छुट)**पैसा मिलने पर **Party** को जो **Discount** दिया जाता है या पैसा देने पर **Party** से जो **Discount** मिलता है वह **Cash Discount** कहलता है ।

(b)Cash Discountसिर्फ नगद खरीदि बिक्री पर होता है

(1)18000 रू सुरेश को दिए और2000रू Discount मिला

Cash	Discount	Suresh
18000	2000	20000

Suresh Dr 20000

To Cash 18000

To Discount Rec. 2000

(Being Cash Paid & Discount Received)

(2)Rakesh से 29000रू मिला 1000रू Discount दिया

Cash	Discount	Rakesh
29000	1000	30000

Cash Dr 29000

Discount Allowed Dr 1000

To Rakesh 30000

(Being Cash Receivied & Discount Allowed)

(3)30000रू का माल10% TD और 5% CD पर नगद खरीदा

	Price	30000
(-)	TD 10%	3000
	Purchase	27000
(-)	CD 5%	(-) 1350
	Cash Paid	25650

Purchase - Cash Discount

Purchase Dr 27000

To Cash 25650

To Discount 1350

TALLY ACCOUNTING

(Being Goods Purchase @10%TD and 5% CD)

(4)40000रू का माल 10% TD और 5% CD पर नगद बेचा

	Price	40000	
(-)	TD 10%		4000
	Sale		36000
(-)	CD 5%		1800
	Cash Rec	34200	

	Cash Discount	Sale	
	Cash Dr	34200	
	Discount Allowed Dr	1800	
	To Sale		36000

(Being Goods Sold @10%TD and 5% CD)

(5) 50000रू का माल 10% TD और 5% CD पर राहुल को उधार बेचा

	Price	50000	
(-)	TD 10%		5000
	Sale		45000

	Rahul	Sale
Rahul Dr	45000	
	To Sale	45000

(Being Goods Sold @10%TD)

NOTE:- उधार खरीदि – बिक्री पर **CD** नही मिलता है ।

NOTE:-

TALLY ACCOUNTING

(1) यदि प्रश्न मे वस्तु का नाम दिया हो और यह स्पष्ट न हो कि वह माल है या संपत्ति तो उसे संपत्ति मानकर **Entery** करेगे ।

Car खरीदा नगद

Car Dr

To Cash

(2) यदि प्रश्न मे यह स्पष्ट न हो कि वह नगद **Transaction** (व्यवहार) या उधारी **Transaction** (व्यवहार) है तो उसे नगद **Transaction** (व्यवहार) मानकर **Entry** किया जाता है ।

माल खरीदा

Purchase Dr

To Cash

Telephone Bill चुकाया

Telephone Exp. Dr

To Cash

(3) यदि प्रश्न मे व्यक्ति का नाम दिया हो और यह स्पष्ट न हो कि वह **Cash Transaction** है या **Credit Transaction** तो उसे उधारी **CreditTransaction** मानकर **Entery** करेगे ।

Ramuको माल बेचा

Ramu Dr

To Sale

Shyam से माल खरिदा

Purchase Dr

To Shyam

TALLY ACCOUNTING

PURCHASE RETURN & SALE RETURN की ENTRY

(1) PURCHASE RETURN.

किसी Party से खरीदा हुआ माल वापस करना PurchaseReturn सिर्फ उधारी खरीदी पर होता है । Purchase Return की नम्न Entry होती है ।

Party A/c Dr

To Purchase Return

(Being Goods Return)

(2) SALE RETURN.

किसी Party को बेचा हुआ माल वापस आना **Sale Return** कहलाता है ।SaleReturn सिर्फ उधारी बिक्री पर होता है । Sale Return की नम्न Entry होती है ।

Sale Return Dr

To Party

(Bing Goods Received as Return)

TALLY ACCOUNTING

(1) राहुल से 20000 रू का माल खरीदा

Purchase Dr. 20000

To Rahul 20000

(Being Goods Purchase)

(2) राहुल को 10000 रू का माल वापस किया

Rahul Dr. 10000

To Purchase Return 10000

(Being Goods Returned)

(3) राजकुमार को 20000 रू का माल बेचा

Rajkumar Dr. 20000

To Sale 20000

(Being Goods Sale)

(4) राजकुमार से 15000 रू का माल वापस आया

Sale Ret Dr. 15000

To Rajkumar 15000

(Being Goods Received as Return)

(5) सोनू से 30000 रू मूल्य का माल 10% TD पर खरीदा

Price 30000

(-) TD 10% 3000

Purchase 27000

Purchase Dr 27000

To Sonu 27000

(Being Goods Purchased)

(5) सोनू को 15000 रू का माल वापस किया

Sonu Dr. 15000

To Purchase Return 15000

(Being Goods Returned)

TALLY ACCOUNTING

(6) सोनू को 15000 रू का माल वापस किया

Price 15000

(-) TD 10% 1500

Sonu Dr 13500

To Purchase Return 13500

(Being Goods Returned)

TALLY ACCOUNTING

BED DEBTS (डूबत ऋण)

यदि Party से मिलने वाला पैसा यदि डूब जाता है तो वह **Bed Debts** कहलाता है । **Bad Debts** की निम्न Entery होती है ।

Bad Debts Dr

To Party

(Being Loss by Bad Debts)

(1)

राहुल को 30000रू का माल बेचा

Rahul Dr. 30000

To Sale 30000

(Being Goods Sold)

Rahul से 25000रू मिले शेष डूब गए

Cash Dr 25000

To Rahul 25000

(Being Cash Rec.)

Bad Debts Dr. 5000

To Rahul 5000

(Being Loss by Bad Debts)

COMBINE ENTRY

Cash Dr 25000

Bad Debts Dr 5000

To Rahul 30000

(Being Cash Received & Loss By Bad Debts)

TALLY ACCOUNTING

DEPRECIATION (ह्रास/अवक्षयण)

व्यबसाय की सभी स्थायी संपत्तियों पर प्रति के अतिंम दिन एक निश्चित दर से उन संपत्तियों का मूल्य कम किया जाता है वह Depreciation कहलाता है । अलग अलग

संपत्तियो पर Depreciation Charge करने की दर अलग अलग होती है । Depreciation लगाने की निम्न Entery होते है ।

Depreciation Dr

To Assets

(Being Depreciation Charged on Assets)

1-4-2010 30000रू का Computer खरीदा नगद

Computer Dr. 30000

DEPRECIATION (ह्रास/अवक्षयण)

(Being Computer Purchased)

31-03-2011 कम्प्यूटर पर 10% Depreciation Charge किया

	Computer	30000	
(-)	Dep 10%	3000	**27000**
	Dep Dr	3000	
	To Computer	3000	

(Being Dep Charged)

INSTALLATION CHARGE

किसी भी संपत्ति (जैसे Machine) को खरीदकर Company तक लाने के खर्च (जैसे- Wages,Freight,) और Machine के चालु करने के खर्च (जैसे Fitting Charges)Installation Charges कहलाते है । Installation Charges को अलग से Entry नही की जाती है । उसे Machine की लागत मे ही जोड़ दिया जाता है ।

Machine 100000

TALLY ACCOUNTING

(+) Freight	2000	
Wages	1000	
Installation Charge	7000	
Fitting Charges 7000		(Rs. 10000)
	110000	

CASE 1.

1-4-2010: 100000 की, मशीन खरीदा और मशीन पर 2000Freight,1000 Wages,7000 Fitting Charge दिया,

Machine Dr.	110000	
To Cash		110000

(Being machinery Purchase & Installation Charge Paid)

CASE 2.

1-4-2010: 100000 की मशीन खरीदा

Machine Dr	100000	
To Cash		100000

(Being Machinery Purchase)

5-4-2010: 2000 Freight, 1000 Wages और 7000Fitting Cgarges मशीन के लिए दिए

Machine Dr	10000	

TALLY ACCOUNTING

To Cash 10000

(Being Installation Charge Paid for Machinery)

LOAN से संबंधित ENTRY

1.किसी Party या Bank से Loan लेने की Entry

Cash Dr

To Loan from Party / Bank

2. किसी Party को Loan देने की Entry

Loan to Party Dr

To Cash

(Being Loan Given)

DEPOSIT

किसी भी सस्था में जमा पैसा जो उक निश्चित अविधि के बाद हमें वापस मिलता है या Condition पुरी होने पर (जैसे Telephoe Deposit के Case में Telephone Connection कटवाने की शर्त पुरी होने पर) वापस मिलता है वह Deposit कहलाता है । Deposit की निम्न Entry होती है ।

1. Telephone Connection लेने के लिए Airtel में पैसा जमा कराया

Telephone Deposit (Airtel)Dr

To Cash

(Being Cash Deposited for Telephone Connection)

TALLY ACCOUNTING

2. मकान मालीक को Security के रूप में पेसा (पगड़ी) दिया

Security Deposit (Landlord)Dr

To Cash

(Being Cash Deposited as Security)

3. Electricity Meter लगवाने के लिए CSEB में पैसा जमा/कराया

Electricity Deposit (CSEB) Dr

To Cash

(Being Cash Deposited for Electricity Meter)

4. IDBI Bank में Fixed Deposit करवाया

IDBI Fixed Deposit Dr

To Cash

(Being Cash Deposited as in Fixed Deposit A/c)

TALLY ACCOUNTING

BANK से संबंधित ENTRY

1. Bank Charge/Bank Commission की Entry

Bank Charge Dr

To Bank

(Being Bank Charge/Commission Charged by Bank)

2. Bank Interest मिलने की Entery

Bank Dr

To Bank Interest Res

(Being Bank Interest Received From Bank)

3. किसी Party से Cheque मिलने की Entery

Bank	Dr	10000
To Party		10000

(Being Cheque Received Vide Ch.No 001)

4. Party से मिला Cheque Bouns होने पर

Party	Dr	10000
Bank Charge Dr		50
To Bank		10050

(Being Cheque Issued Vide Ch.No. 001)

5. किसी Partyको Chequeदेने पर

Party	Dr	15000
To Bank		15000

(Being Cheque Issued Vide Ch.No. 123456)

6. किसी Party को दिया Cheque Bouns होने पर Entery

Bank	Dr	15000
To Party		15000

TALLY ACCOUNTING

(Being Cheque Received as Return Vide Ch.No 123456)

STANDART NARRATION

1. नगद माल खरीद ने पर

(Being Goods Purchased Vide C.M. No……)

C.M.= Cash Memo

2. उधार माल खरीदने पर

(Being Goods Purchased Vide Invoice No or Cr. Memo .No…)

3. नगद माल T.D. और C.D.पर खरीदने पर

(Being Goods Purchased 10% TD & 5% CD Vide C.M.No…)

4 . उधार माल T.D. और C.D. पर खरीदने पर

(Being Goods Purchased 10% TD Vide Invoice No… or Cr. Memo No…)

5.नगद माल बेचने पर

(Being Goods Sold Vide C.M. No…)

6 उधार माल बेचने पर

(Being Goods Sold Vide Invoice No or C.M. Memo No…)

7. नगद माल T.D. और C.D. पर बेचने पर

(Being Goods Sold 10% TD & 5% CD Vide C.M. No…)

8.उधार माल T.D. और C.D. पर बेचने पर

(Being Goods Sold 10% TD Vide Invoice No… or Cr. Memo No…)

9.किसी Party से नगद पेसा मिलने पर

(Being Cash Received Vide M.R. No…)

TALLY ACCOUNTING

M.R.=Mony Receipt

10.किसी Party को नगद पैसा देने पर

(Being Cash Paid Vide M.R. No…)

11.किसी Party से Cheque मिलने पर

(Being Cheque Received Vide M.R. No. Ch No…)

12 . किसीParty से मिला Cheque Bouns होने पर

(Being Cheque Returned Vide Ch No…001012)

13. किसी Party को Cheque देन पर

(Being Cheque Issued Vide M.R.No…& Ch.. No.501)

14. किसी Party को दिया Cheque Bouns होने पर

(Being Cheque Received as Return Vide C.h. No…507)

15. Purchase Retहोने पर

(Being Goods Returned Vide Dr Note No…)

16 . Sale Return होने पर

(Being Goods Received as Return Vide Cr Note No…)

17. व्यपार के मालिक द्वारा पैसा लगाकर नय Business चालू करने पर

(Being Business Started With Cash)

18.व्यपार के मालिक ने Business मे पैसा लगया

(Being Cash Brought In Business)

19 . व्यपार के मालिक ने Businessसे पैसा निकाला

(Being Cash Withdraw from Business)

TALLY ACCOUNTING

20. Bank मे पैसा जमा किया

(Being Cash Deposited at Bank)

21. Bank से पैसा निकालागया

(Being Cash Withdraw From Bank)

22.बिजली विल चुकाने पर

(Being Electricity Bill of Service No ….. Paid to CSEB for the Mont of April)

23. Telephone Bill चुकाने पर

(Being Telephonw Bill of Service No ….. Paid to Airtel for the period of 1-04-2010to 30-04-2011)

24. Office Expenses चुकाने पर

(Being Cash Paid to …. For Office, ColdDrink,Tea,Vide, C.m. No…..)

25.किसी भीExpenses की Payment करने पर

(Being Cash Paid to …. For ……Vide C.M.. No…. or M.R. No…)

26.किसी भीIncome की Payment मिलने पर

(Being Cash Received from…for ….. Vide C.M. No. or M.R. No…)

TALLY ACCOUNTING

SHARE & DEBENTURE की ENTRY

Share (अंश) खरीदने की **Entry**

Share Dr. 100000

To Cash 100000

(Being 10000 Share Purchased 10Rs. Per Share)

Share	Rs. Per Share	Amount
10000	10	100000

Debenture(त्रणपत्र) खरीदने की Entery

Debenture		Dr	50000
	To Cash		50000

(Being 5000 Debenture Purchased 10 Rs Per Debenture)

Debenture	Rs. Per Debenture	Amount
5000	10	50000

TALLY ACCOUNTING

NOMINAL A/C

Expenses(खर्च)Dr	**&**	**Loss (हानी)Dr**
Income (खर्च) Cr	**&**	**Profit (लाभ) Cr**

(1) Expenses :- जब किसी A/c के नाम से पैसा जाता है और बदले में हमें कोई वस्तु या Service मिलती है तो वह A/cExpenses कहलाता है ।

(2) Loss :- जब किसी A/c के नाम से पेसा या वस्तु जाती है लेकिन बदले में हमें कुछ नहीं मिलता है तो वह Loss कहलाता है

(3) Income :- जब किसी A/c के नाम से पेसा आता है और बदले में कोई वस्तु या Service देना पड़ता है तो वह Income कहलाता है ।

(4) Profit :- जब किसी A/c के नाम से पेसा आता है और बदले में हमें कोई वस्तु या Service नहीं देना पड़ता है तो वह Profit कहलाता है ।

(a) 100000 रू नगद चोरी हो गए

Cash Loss by Theft (चोरी से हानि)

Loss by Theft Dr

To Cash

(Being Loss by Theft)

(b) 20000 रू Computer आग से जलकर नष्ट हो गया

Computer Loss by Fire

Loss by Fire Dr

To Computer

(Being Computer Loss by Fire)

(c) किसी अन्य कारण जेसे(बाढ़,भुकंप)से संपत्ति नष्ट होने पर (नष्ट होने से हानी)

Cash Loss Destroyed- Assets Name

Loss by Destroyed Dr

To Assets Name

(Being Assets Destroyed)

(d) 20000 रू का Computer खरीदा

Computer Dr 2000

To Cash 2000

(Being Computer Purchased)

(e) 20000 रू का Computer 18000 रू में बेचा

Cash	Computer	Loss on Sales of Computer
18000	20000	2000

Cash Dr 18000

Loss on Sales of Computer Dr 2000

TALLY ACCOUNTING

To Computer 2000
(Being Computer Sold)

(f) 20000 रू का Computer 25000 रू मे बेचा

Cash,	Computer,	Profit on Sale of Computer
25000	20000	5000

Cash Dr 25000
To Computer 20000
To Profit on Sale of Computer 5000
(Being Computer Sold)

(g) Goods खरिदा नगद **20000**

Purchase Dr 20000
To Cash 20000
(Being Goods Purchased)

(h) 20000 रू का Goods 25000 रू में बेचा

Cash Sale
Cash Dr 25000
To Sale 25000
(Being Goods Sold)
Sale = Purchase Cost + Profit
= 20000 + 5000
= 25000

(माल की विक्री पर अलग से Profit या Loss Show नही करते है । Sale Value में ही Profit जुड़ी होती है)

Note :- निम्न परिस्थितियों में PurchaseCr. होता है ।

1. माल दान में देने पर
Chartity Dr
To Purchase

TALLY ACCOUNTING

(Being Goods Given Charity)

2. माल आग से जलकर नष्ट होने पर

   Loss by Fair Dr

   To Purchase

   (Being Goods Destroyed By Fire)

3. माल व्यापार के मालिक द्वारा निजि उपयोग में लाने पर

   ProprieterDr

   To Purchase

   (Being Goods Withdraw for Personal Use)

4. माल गिफ्ट एव सेम्पल के रूप मे मफुत में बाटने पर

   Gift & Sample A/c

   To Purchase

   (Being Goods Distributed Gift & Sample)

5. Goods Given as Salary

   Salary A/c Dr

   To Purchase A/c

6. Goods loss by Fire/Theft/Destroyed

   Loss by Fire/Theft/Destroyed A/c Dr

   To Purchase A/c

7. Goods Branch Transfer on Purchase Price

   Branch XYZ A/c Dr

   To Purchase Ac

   (Being Goods Given Charity)

Sale और **Purchase Ret.** के अलावा किसी अन्य कारण से माल कम होने पर **PurchaseA/c Cr** करते है । और जिस खाते के नाम से माल कम होता है उसे **Dr** करते है ।

CHARITY से संबंधित **ENTRY :-**

1. नगद दान देने पर

   Chartity Dr

   To Cash

TALLY ACCOUNTING

(Being Cash Given as Charity)

2. चेक से दान देने पर

Charity Dr

To Bank

(Being Cheque Issued for Charity)

3. माल दान में देने पर

Chartity Dr

To Purchase

(Being Goods Given as Charity)

LIVINGSTOCK में संबंधित ENTRY

1. कुत्ता खरिदा नगद

Living Stock Dr 2000

To Cash 2000

(Being Dog Purchase)

2. कुत्ता मर गया

Loss by living Stock Dr 2000

To living Stock 2000

(Being Dog Died)

EXPENSES, ADVANCE EXPENSES ओर OUT STANDING EXPENSES से संबंधित ENTRY

1. Expenses की Payment करने पर Entry

Expenses Dr

To Cash 2000

(Being Expenses Paid)

2. Advance Expenses की Payment करने पर Entry

Advance Expenses Dr

To Cash 2000

TALLY ACCOUNTING

(Being Advance Expenses Paid)

3. Advance Expenses Adjust करने की Entry

Expenses Dr

To Advance Expenses

(Being Advance Expenses Adjusted)

4. Expenses Due (Outstanding) होने पर Entry

Expenses Dr

To Outstanding Expenses

(Being Expenses Due)

5. Outstanding Expenses की Payment करने पर Entry

Expenses Dr

To Cash

(Being Expenses Paid)

EXAMPLE

1. Salary दिया नगद 5000

Salary Dr. 5000

To Cash 5000

(Being Salary Paid)

2. Advance Salary दिया नगद 5000

Advance Salary Dr 5000

To Cash 5000

(Being Advance SalaryPaid)

3. Advance Salary Adjust किया 5000

Salary Dr. 5000

To Advance Salary 5000

(Being Advance Salary Adjust)

TALLY ACCOUNTING

4. Salary देना Due (Outstanding) होने पर

Salary Dr. 5000

To Outstanding Salary 5000

(Being Salary Due)

5. Outstanding Salary दिया

Outstanding Salary Dr. 5000

To Cash 5000

(Being Outstanding Paid)

6. Commission दिया नगद 6000

Commission Dr. 6000

To Cash 5000

(Being Outstanding Paid)

7. Commission दिया नगद

Commission Dr. 6000

To Cash 6000

(Being Commission Paid)

8. Advance Commission दिया नगद 6000

Advance Commission Dr. 6000

To Cash 6000

(Being Advance Commission Paid)

9. Rohit को Due Commission का Payment किया 6000

Rohit Dr. 6000

To Cash 6000

(Being Due Commission Paid)

10. Rohit को Due Commission का Payment किया 6000

Rohit Dr. 6000

TALLY ACCOUNTING

To Cash 6000

(Being Due Commission Paid)

Due Date में ही Expenses (Commission Interest, Rent आदि) का Payment करने पर

Due Date

Expenses Dr

To Cash

(Being Expenses Paid)

Due Date में Expenses (Commission Interest, Rent आदि) का Payment नहिं करने पर

Due Date Expenses Due होने की Entry

Expenses Dr

To Party

(Being Expenses Due)

Payment Date. Party कीPayment करने की Entry

Party Dr

To Cash

(Being Cash Paid)

NOTE :-Practical Filed में हमेंशा पहले Expenses Due होने और फिर Party कोPayment करने की Entry Pass करते है । यदि Due Date में ही Expenses की Payment कर दी जाती है । तो भी पहले Expenses Due होने और फिर Party को Payment करने की Entry Pass करगें।

EG. 30 - 4 – 2009 को Agent A,Agent B,Agent C, को निम्ननुसार Commission Due

Agent A 2000

Agent B 3000

Agent C 4000

THEORITICAL ENTRY

TALLY ACCOUNTING

30-04-2009 : Commission Dr. 2000
To Cash 2000
(Being Commission Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 3000
To Cash 3000
(Being Commission Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 4000
To Cash 4000
(Being Commission Paid)

PRACTICAL ENTRY

30-04-2009 : Commission Dr. 2000
To A 2000
(Being Commission Due)
A Dr 2000
To Cash 2000
(Being Cash Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 3000
To B 3000
(Being Commission Due)
B Dr 3000
To Cash 3000
(Being Cash Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 4000
To C 4000
(Being Commission Due)
C Dr 4000
To Cash 4000

TALLY ACCOUNTING

(Being Cash Paid)

Due Date में ही income (Commission, Interest ,Rent) प्राप्त होने पर

Cash Dr

To Income

(Being Income Received)

Due Date में ही income (Commission, Interest ,Rent) प्राप्त नहिं होने पर

Due Date Income Charge करने कि Entry

Party Dr

To Income

(Being Income Charged)

Receipt Date. Party से पैसा मिलने की Entry

Cash Dr

To Party

(Being Cash Received)

यदि **Due Date** में ही **Income** प्राप्त हो जाती है तो भी **Practical Field** में पहले **Income Charege** करने और फिर **Party** सें पैसा मिलने की **Entry Pass** करते है ।

TALLY ACCOUNTING

DEBIT NOTE & CREDIT NOTE

Debit Note.

Credit Sale और Party को पैसा देने की Entry के अलावा किसी अन्य कारण से Party को Debit करने पर Party को Debit किए जाने की सुचना देने के लिए Debit Note बनाकर भेजते है । निम्न Entry में Debit Note बनाए जाते है ।

Purchase Return की Entry :-

Party Dr

To Purchase Ret

(Being Goods Returned Vide Debit Note No…)

Income Charge करने की Entry :-

Party Dr

To Income

(Being Income Charged Vide Debit Note No…)

Credit Note

Credit Purchase और Party से पैसा मिलने के अलबाा किसी अन्य कारण से Party को Credit करने पर Party को Credit किए जाने की सुचना देने के लिए Credit Note बनाकर भेजा जाता है । निम्न परिस्थितियो में Credit Note बनाए जाते है ।

Sales Ret की Entry :-

Sale Ret Dr

To Party

(Being Goods Received As Return Vide Credit Note No……)

Expenses Due होने की Entry :-

Expenses Dr

To Party

(Being Expenses Due Vide Credit note No….)

TALLY ACCOUNTING

TAX से संबंधित ENTRY

Vat

Excluding Vat

1. 20000 रू का माल 4% Vat जोड़कर बेचा

Price	20000		
(+)Vat@4%	800		
Party	20800		
Party	Dr	20800	
To Sale			20000
To Vat Payable			800

(Being Goods Sold)

2. Vat Challan पटाया

Vat Payable	Dr	800	
To Cash			800

(Being Vat Challan Paid)

Including Vat

1. 20000 रू का माल 4% Vat जोड़कर बेचा । Including Vat से Entry Pass करेंगें

Or

20000 रू का माल बेचा जिसमें 4% Vat जुडा हुआ है ।

Price	20000		
(+)Vat@4%	800		
Sale	20800		
Party	Dr	20800	
To Sale			20800
To Vat Payable			800

(Being Goods Sold)

TALLY ACCOUNTING

2. Vat Challan पटाया

Vat Payble Dr	800	
To Cash		800
(Being Vat Challan Paid)		

Vat=Sale(Including Vat) X Tax Rate / 100+Tax Rate

= 20800X4 / 100+4

= 20800 X 4 / 104

= 108

TALLY ACCOUNTING

EXCISE DUTY & SALES TAX.

1. 20000 रू का माल 8% Excise Duty और 4%Vat जोड़कर बेचा

Price	20000
(+)Excise Duty @ 8% (20000 X 8%)	1600
(+) Vat @ 4% (21600 X 4%)	864
Party	22464

Party	Dr.	22464	
To Sale			20000
To Excise	Duty Payable		1600

To Vat Payable 864

(Being Goods Sold)

2. Excise Duty Challan पटाया
   Excise Duty Payable Dr. 1600
   To Cash 1600

   (Being Excise Challan Paid)

3. Vat Challan पटाया
   Vat Payable Dr. 864
   To Cash 864

   (Being Vat Challan Paid

INCOME TAX

1. **Proprietorship Business (एकल व्यापार) :-**
   Income Tax, Proprietor का Personal Expenses माना जाता है और यदी Proprietor का Income Tax Business के पैसे से चुकाया जाता है तो Proprietor द्वारा Business से निजी खर्च के लिए पैसा निकालने कि निम्न Entry Pass करेंगे ।

   Proprietor Dr
   To Cash

   (Being Income Tax Challan Paid for Proprietor)
2. **Partnership Firm & Company (साझेदारी व्यापार) :-**
   Income Tax, Business का Expenses माना जाता है । अतः निम्न Entry Pass कि जाति है

   31-03-2009 Income Tax Due होनेकि Entry
   Income Tax Dr.
   To Income Tax Payable
   (Being Income Tax Due)

   01-04-2009 Income Tax Challan पटाने पर

TALLY ACCOUNTING

Income Tax Payble Dr.
To Cash
(Being Income Tax Challan Paid)

Municipal Tax

01-03-2009 Municipal Tax Due हाने की Entry
Municipal Tax Dr.
Municipal Tax Payble
(Being Municipal Tax Due)

01-04-2010 Municipal Tax Challan पटाया
Municipal Tax Payable Dr.
To Cash
(Being Municipal Tax Challan Paid)

STEPS & MANUAL A/C

1. Journal Entry
2. Ledger Posting
3. Trial Balance
4. Final A/c
    a) Trading A/c
    b) Profit & Loss A/c
    c) Balance Sheet

TALLY ACCOUNTING

Question for Final Accounts	
1. Sohan(Prop.) Started Business With Cash	100000
2.Cash Deposited to SBI	50000
3.Goods Purchased with Cash	10000
4.Goods Purchased from Rohit	20000
5. Goods Sold in Cash	30000
6.Goods Sold to Rahul	40000

7.Telephone Bill Paid by Cheque	1000
8.Electricity Bill Paid	2000
9.Commission Received	3000
10.Interest Received	4000

JOURNAL ENTRY					
Date	PARTICULAR		L.F.	Dr.Amt.	Cr.Amt
1.4.2009	Cash	Dr		100000	
	To Sohan (Prop)				100000
	(Being Business Started With Cash)				
	SBI	Dr		50000	
	To Cash				50000
	(Being Cash Deposited at Bank)				
2.4.2009	Purchase A/c	Dr		10000	
	To Cash				10000
	(Being Goods Purchased)				
	Purchase A/c	Dr		20000	
	To Rohit				20000
	(Being Goods Purchased)				
3.4.2009	Cash	Dr		30000	
	To Sales				30000
	(Being Goods Sold)				

TALLY ACCOUNTING

	Rahul	Dr		40000	
	To Sales				40000
	(Being Goods Sold)				
4.4.2009	Telephone Exp.	Dr		1000	
	To SBI				1000
	(Being Telephone Bill Paid)				
	Electricity Exp.	Dr		2000	
	To Cash				2000
	(Being Electricity Bill Paid)				
5.4.2009	Cash	Dr		3000	
	To Commission Rec.				3000
	(Being Commission Received)				
	Cash	Dr		4000	
	To Interest Rec.				4000
	Being Interest Received				

TALLY ACCOUNTING

LEDGER POSTING						
CASH A/C						
DATE	Particular	J.F.	Dr. Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
1.4.2009	To Sohan (Prop)		100000			
1.4.2009	By SBI			50000		
2.4.2009	By Purchase			10000		
3.4.2009	To Sale		30000			

4.4.2009	By Electricity Exp.			2000		
5.4.2009	To Commission Rec.		3000			
5.4.2009	To Interest Rec		4000			
			13700	62000	Dr	75000
Sohan (Prop)						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
1.4.2009	By Cash			10000		
				10000	Cr	100000
SBI						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
1.4.2009	To Cash		50000			
4.4.2009	By Telephone Exp.			1000		
			50000	1000	Dr	49000
Purchase						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
2.4.2009	To Cash		10000			
2.4.2009	To Rohit		20000			
Rohit						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
2.4.2009	By Purchase			20000		
				20000	Cr	20000
Sale						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
3.4.2009	By Cash			30000		
3.4.2009	By Rahul			40000		

TALLY ACCOUNTING

				70000	Cr	70000
Rahul						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
3.4.2009	To Sale		40000			
			40000	Dr		40000
Telephone Exp						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
4.4.2009	To SBI		1000			
			1000		Dr	1000
Electricity Exp						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
4.4.2009	To Cash		2000			
			2000		Dr	2000
Commission Rec						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
5.4.2009	By Cash			3000		
				3000	Cr	3000
Interest Rec						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
5.4.2009	By Cash			4000		
				4000	Cr	4000
			30000			30000
Rohit						

TALLY ACCOUNTING

Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
2.4.2009	By Purchase			20000		
				20000	Cr	20000
Sale						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
3.4.2009	By Cash			30000		
3.4.2009	By Rahul			40000		
				70000	Cr	70000
Rahul						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
3.4.2009	To Sale		40000			
			40000	Dr		40000
Telephone Exp						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
4.4.2009	To SBI		1000			
			1000		Dr	1000
Electricity Exp						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
4.4.2009	To Cash		2000			
			2000		Dr	2000
Commission Rec						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
5.4.2009	By Cash			3000		
				3000	Cr	3000

TALLY ACCOUNTING

Interest Rec						
Date	Particular	J.F.	Dr Amt	Cr Amt	Dr or Cr	Balance
5.4.2009	By Cash			4000		
				4000	Cr	4000

TRIAL BALANCE			
Particular	L.F.	Dr. Balance	Cr.Balance
Cash		75000	
Sohan (Prop)			100000
SBI		49000	
Purchase		30000	
Rohit			20000
Sales			70000
Rahul		40000	
Telephone Exp		1000	
Electricity Exp.		2000	
Commission Rec			3000
Interest Rec			4000
		197000	197000

TALLY ACCOUNTING

Direct Exp			**Direct Income**
TRADING A/C			
Dr			Cr
Particular	Amount	Particular	Amount
To Opening Stock		By Sales 70000	
To Purchase 30000		(-) Sales Return	70000
(-) Purchase Ret	30000	Income (Direct)	

Expenses (Direct)		By Closing Stock	
To Wages		By Gross Loss (if Any)	
To Carriage Inward			
To Excise Duty			
To Sales Tax			
To Factory Exp.			
To Gross Profit	40000		
	70000		70000

PROFIT & LOSS A/C			
Dr			
Particular	Amount	Particular	
To Gross Loss(if Any)		By Gross Profit	4
Expenses (Indirect)		Income (Indirect)	
To Carriage Outward		By Interest Rec.	4
To Telephone Exp	1000	By Commission Rec.	3
To Electricity Exp	2000	By Discount Rec	
To Printing & Stationery		By Rent Rec	
To Commission Paid		By Profit on Sale of Assets	
To Interest Paid		By all Income & Profit	
To Rent Paid		By Net Loss (In Any)	
To Charity			
To Bad Debts			
To Depreciation			
To Income Tax (only Company)			
To Loss By Fire			
To Loss By Theft			
To Net Profit	44000		
	47000		4

TALLY ACCOUNTING

BALANCE SHEET			
Liability	Amount	Assets	Ar
Capital (Only in Proprietorship		Fixed Assets	
Business		Machine	
Sohan (Prop)100000		Car	
(+)Net Profit 44000		Computer	
(-) Net Loss	144000	Furniture	
		Land & Building	
Share & Debenture (Only Company)			
Equlity Share Capital		Investment	
Preference Share Capital		Share of Reliance India Pvt.Ltd.	
		Debenture of Tata Infotech Pvt Ltd	
Reserve & Surplus			
General Reserve		Current Assets	75
Capital Reserve		Cash in Hand	
Profit & Loss A/c		Closing Stock	
Net Profit (Only Company)		Living Stock	
Loan From SBI			
ICICI(Cash Credit A/c)		Bank A/c	
UCO Bank		SBI(Current A/c)	
Secured Loan			
Loan from Sohan		Loan & Advance	
Loan from Mohan		Loan to Niphil Ent.	
Debenture (Only Company)		Advance Salary	
		Advance Rent	
Unsecured Loan			
Loan from Meenu		Deposit	
Loan from Sahil		Telephone Deposit (BSNL) A/c	
		Electricity Deposit(CSEB) A/c	
Current Liabilities		Security Deposit A/c	
Duties & Taxes		IDBI Fixed Deposit A/c	
Income Tax Payable			
Sale Tax Payable		Sundry Debtor	
Municipal Tax Payable		Rahul	40
Excise Duty Payable		Sunil	
		Anil	

TALLY ACCOUNTING

Sundry Creditor		(Only Company)
Rohit	20000	Misc Expenses
Sonu		Discount on Issue of Share &Depentu
Monu		Profit & Loss A/c(Net Loss)
Provision		
Outstanding Salary		
Outstanding Rent		
Outstanding Telephone Bill		
	164000	

TALLY ACCOUNTING

NOTE :- **Company बनानेCompany का Form देखने (अर्थात Company का नाम Addres आदि देखने के लिए)तथा सुधारने के लिए तथा Company को Delete करने के लिए**

Getway of Tally – Company Information

1. **Select** Tally में पहले से बनी हुई Company में से किसी एक Company को Select करके Entry करने के लिए
2. **Creat** एक नई Company बना सकते है ।
3. **Display** Select की हुई Company का Form नाम Address आदी देखने के लिए ।
4. **Alter** Select की हुई Compay के Form में Name Adress आदी देखने के लिए और Changeकरने के लिए

a) किसी Company को Delete करने के लिए उसे Company Information से Select करे F1 से वापस Company Information में आकर Alter से उस Company का Form खोलकर Alt +DPrss करते है । उसके बाद Enter Press करके N press करने पर Company Delete हो जाएगी ।

b) Getway of Tally सेCompany Info में वापस आने के लिए F1 Press करते है ।

NOTE : - A/c बनानेA/c का नाम, Group,Openning Balance देखने और Change करने के लिए तथा A/cDelete करने के लिए :- Getway of Tally – A/c Information - Ledger

1. **Creat** यहां से A/c बना सकते है ।
2. **Display** यहां से बनाए A/c का Name,Group,Opening Balance देख सकते है ।
3. **Alter** यहां से बनाए हुए A/c का नाम Group,Opening Balance देख सकते है और Change भी कर सकते है तथा Alt+D Press करके खाते को Delete भी कर सकते है ।

TALLY ACCOUNTING

GROUP

1. **BANK A/C** :-जिस Bank में हमारा Curent A/c होता है उस Bank का A/c इस Group में आता है

   E.g. S.B.I (C.A.),C.B.I.(C.A.)

   *C.A. = Current A/c

2. **BANK OCC A/C** :- जिस Bank में हमारा Cash CreditA/c या Overdraft A/c होता है उस Bank का A/c

   ईस Gropu में आता है ।

   E.g. ICICI (C.C.),UCO Bank(O.D.)

   *C.C. = Cash Credit A/c

   O.D.= Overdraft A/c

3 . **BRANCH / DIVISION** :- हमाने ठनेपदमें की दूसरी ठतंदबी का ।ध्ब इस ळतवनच में आएगा

   E.g. Appolo Battery,Bhilai Appolo Battery,Durg Appola Battery.

4. **CAPITAL A/** :- ब्यापार के मालिक काA/c Business Partner का A/c Share Holdrs का A/c इस

   Group के अन्तर्गत आता है ।

5. **CASH IN HAND** :- इस Group के अन्तर्गत Tally में Cash का A/c पहले से ही बना रहता है अतः हमें Cash

का A/c बनाने कि आवश्यकता नही होती ।

6.CURRENT LIABILITIES :- एसी Liability जो Business के प्रतिदिन केTransaction से प्रभावित होती है वह

Current liability कहलाती है ।

E.g. Duty & Taxes, Sundry Creditors, Provision.

TALLY ACCOUNTING

7. CURRENT ASSETS :-एसी संपत्तिया जिन पर व्यापार के प्रतिदीन का Transaction का प्रभाव पड़ता है जिनका Balance अस्थाई होता है वह Current Assets कहलाती है ।

E.g. Bank A/c Cash in Hand ,Stock in Hand,Sundry Debtors,Deposit (assets)Loand & Advance

8. DEPOSIT ASSETS **:-**किसी भी संस्था मे जमा पैसा जो एक निश्चित अवधि के बाद हमें वापस मिलता है(जेसे Bank में Fixed Deposit में जमा पैसा) यह Condition पुरी होने पर वापस मिलता (Telephone Deposit में Telephone Connection कटवाने पर वापस मिलता है) Deposit कहलाता है । ऐसे जमा पेसे के लिए खोले गए A/c का Group Depositकहलाता है ।E.g. Telephone Deposit BSNL) Electricity Depost

(CSEB))Security Deposit (Landlord)IDBI Fixed Deposit A/c

9.DUTIES & TAXES :- व्यवासाय के सभी Tax जो इस Group में Payable है वह इस Group में आते है।

।E.g. Sales Tax Payable,Excise Duty Payable,Municipal Tax Payable,Income Tax Payable.

10.EXPENSES (DIRECT) माल की खरीदी और उत्पादन से संबधित खर्च Expenses Direct कहलाते है । इस खाते का Balance Trading A/c में Dr Side में आता है । दुसरे शब्दो में Trading A/c में Dr Side में आने वाले खर्चों का Group Expenses Direct होगा ।

E.g. Wages Carriage Inward, Factory Exp.,Sale Tax,Excise Duty.

11.EXPENSES (INDIRECT):- माल की बिक्री एवं संचालन से सबंधित खर्च Expenses Indirect कहलाते है । ये खर्च Profit & Loss A/c Dr. Side में आते है । दुसरे शब्दों में Profit & Loss A/c के Dr. Side में आने वाले खर्चों का Group Indirect Expensesहोगा

E.g. Wagesh Carriage Inward,Factory Exp.,Sale Tax,Excise Duty ये पांच को छोड़कर वाकि सभी Expenses Indirect Group के आएगे ।

सभी Loss के A/c (Loss by Fire,Loss by Destroyed,Loss by Theft,Loss on Sale of Assets Expenses IndirectGroup में आएगे)

TALLY ACCOUNTING

12. FIXED ASSETS :- एसि संपत्तिया जिन पर दिन प्रतिदिन के Business Tranaction का प्रभाव नहीं पड़ता है जिनका Balance स्थाई होते है । जिनका प्रयोग लंबे समय तक स्थाई रूप से करते है Fixed Assets कहलाते है ।

E.g. Machine,Land,Building,Car,Computer,Living Stock.

13.INCOME(Revenue) or Income (Indirect) :-व्यवसाय के सभी Side Income जो Profit & Loss A/c के Cr Side में आती है Income (Revenue)कहलाती है ।

E.g. Commission Rec.Rent Rec,Discount Rec,Interest Rec.

सभी Profitके A/c (profit on Sale of Assets & Profit on Sale of Investment) Income (Revenue) Group मे आते है ।

14.INVESTMENT :-किसी Company के खरीदे गए Share & Debenture के लिए खोले गए A/c का group Investment होता है ।

E.g. Share of Reliance India Pvt.Ltd. Debenture of Tata info. Pvt. Ltd,Lic Mutual Fund.

15.LOANS & ADVANCE(Assets):-किसी Party को दिए गए Loan का A/c और Advance Expenses का A/c इस Group में आता है ।

E.g.Loan To Rahit,Advance Salary,Advance Rent.

16.LOANS LIABILITY :-Bank OCC + Secured Loan + Unsecured Loan

17.MISC.EXPENSES:-Preliminary Expenses,Discount of Share & Debenture dk A/c का Group इसमें आता है ।

18.PROVISION :-व्यवसाय के सभि Outstanding Expenses इस Group में आते है ।

E.g. Ot Standing Salary, Outstanding Telephone Bill,Outstanding Electricity

Bill,Outstanding Preliminary Exp.

19.PURCHASE A/C:-Purchase और Purchase Return का A/cईस Group में आता है । ।

TALLY ACCOUNTING

20.RESERVE & SURPLUS:-व्यवसाय के सभी Fund और Fund & Reseredका A/c इस Group में आता है ।

E.g. General Reserve,Capital Teserve,Pansion Fund,Compensation Fund

21.SALE A/C :-Sale और Sale Return काA/c इस Group में आता है ।

22. SECURD LOANS :-किसी Party या Bank से कोई संपत्ति गिरवी रखकर लिया गया Loan का A/c Secured Loan में आताहै ।

E.g. Loan From Monu,Loan From SBI

Note :- Bank से लिया गया Loan हमेशा Secured Loans माना जाता है ।

23.STOCK IN HAND :-Business के बिना बिके हुए माल के लिए Stock in hand का A/c खोलते है जिसका

Group Stock In hand होता है ।

24.SUNDRY CREDITOR :-किसी Party से हम उधार माल या संपत्ति खरीदते है या उधार Service लेते है तो उस Party का Group Sundry Creditor होता है ।

25.SUNDRY DEBTOR :-किसी Party को हम उधार माल या संपत्ति बेचते है या उधार Service देते है तो उस Party का Group Sundry Debtor होता है ।

26.UNSECURED LOANS :-जिस Party से बिना संपत्ति गिरवी रखे Loan लेते है इसका A/c इस Group में आता है।

NOTE :- Voucher Entry का खली Funcation Key भरने के लिए सर्वप्रथम निम्न 4 खाते बनाते है।

LEDGER	GROUP
1.Purchase A/c	Sale A/c
2.Sale A/c	Sale A/c
3.Bank A/c	Bank A/c

TALLY ACCOUNTING

4.किसी एसि Party का A/c जिसका Group Sundry Creditor होगा

QUESTION

1. Sohan (Prop)
   Capital A/c
2. Commission Paid
   Expenses (Indirect)
3. Interest Rec
   Income (Revenue)
4. Rahul से उधार Computer खरिदा
   Rahul Sundry Creditor
   Computer - Fixed Assets
5. Rohanसे उधार माल खरीदा
   Rohan – Sundry Creditor
   Purchase – Purchase
6. Sumeet को Loan दिया
   Loan & Advance
7. Salary
   Expenses Indirect
8. Outstanding Salary
   Provision
9. Advance Salary
   Loan & Advance
10. Sonu को उधार माल बेचा
    Sonu-Sundry Debtor

TALLY ACCOUNTING

Sale – Sale A/c

11. Monu को उधार Computer बैचा
    Monu Sundry Debtor
    Computer Fixed Assets
12. CBI से Loanलिया(Bank O.C.C. Condition)
    Bank OCC A/c
13. SBI Current A/c
    Bank A/c
14. IDBI Fixed Deposit A/c
    Deposit Assets
15. Share of Microsoft
    Investment
16. Meena से गिरवी रख कर Loan लिया
    Secured Loan
17. Seema से बिना गिरवी रखे Loan लिया
    Unsecured loan
18. मकाल मालिक को पगड़र दिया
    Deposit Assets
19. ICICI(Cash Credit A/c)
    Bank OCC A/c
20. Telephone Connection के लिए BSNL में पैसा जमा करया
    Deposit Assets
21. Excise Battery जो हमारी Branch है उससे पैसा मिला
    Branc /Division

TALLY ACCOUNTING

FUNCATION KEY

कौन सी Entery कौन से Funcation Key में करती है ।

a) F4 (Contra)

1) Bankमें पैसा जमा (Deposit)करने की Entry

Bank Dr
To Cash

2) Bankमें पैसा निकालने (Withdraw) की Entry
Cash Dr
To Bank

3) एक Bank से दुसरे Bank में (Cheque)से पैसा Transfer करने की Entry
CBI Dr
To SBI

केवल यही Entery Contra Entry होती है जो F4 में जाती है ।

b) F2 (Date)

F2की सहायता से Date Change कर सकते है ।

c) F5 (Payment)

जिस Entry में Cash या BankCredit होता है (ContraEntry को छोड़कर) वह Entry F5 में जाति है ।

1) Purchase Dr
To Cash
2) Ram Dr
To Bank
3) Commission Dr
To Cash

d) F6 (Receipt)

जिस Entry में Cash या Bank Debit होता है (contra Entry को छोड़कर) वह Entry F6 में जाति है ।

1)Bank Dr

To Suresh

TALLY ACCOUNTING

2) Cash Dr

To Sale

3) Cash Dr

To Sale

e)F8 (Sale)

किसी एक Partyकोउधार माल बेचने की Entry F8में जाएगी

Party Dr

To Sale

f) F9 (Purchase)

किसी एक Party से उधार माल खरीदने कि Entry F9 में जाएगी

Purchase Dr

To Party

G)F7 (Journal)

जिस Entry में Cash,Bank,Sale,Purchase नही होता है वह Entry F7(journal)में जाति है

1) Rahul Dr

To Computer

2)

Computer Dr

To Rahul

3)

Salary Dr

To Out Staanding Salary

TALLY ACCOUNTING

अपवादः– जिस Entry में Cash, Bank नही होता है, यदि उस Entry में एक से अधिक आपके खाते Debit या Credit होते है तो वह Entry भी F7(Journal) में जाएगा भले ही वह Sale और Purchase की Entry क्यों न हो ।

E.g. एक से अधिक Party से उधार माल खरिदने की Entry

Purchase Dr.	30000	
To Mohan		10000
To Sohan		10000
To Gopal		10000

(Being Goods Purchase Vide Bill N. 101, 201, 301)

E.g. एक से अधिक Party को माल बेचने की Entry

Seeta Dr.	20000	
Geeta Dr.	20000	
Reeta Dr.	20000	
To Sale		600000

(Being Goods Sold Vide Bill No. 201, 202, 203)

अपवाद :– जिस Entry में Purchase Credit होता है। वह Entry भी F7 (Journal) में जाती है।

(1)	Loss by Fire Dr.	100	
	To Purchase		100
(2)	Charity Dr.	500	
	To Purchase		500

अपवाद :–यदि चाहे तो F8 Sale और F9 Purchase की Entry F7 Journal में भी कर सकते है लेकिन उन Entry को F8 Sale और F9 Purchase में ही करने चाहिए।

(H) F10 (Memorandom)

F4 से F9 तक की सारी Entry F10 में की जाती है।लेकिन वह किसी भी Account में Effect नही डालेगी सिर्फ याद या memorized रखने के काम आएगी।

- Combine Entry में यदि Cash Credit है और उसके साथ एक से अधिक खाते credit या debit है तो वह entry भी F5 में जाएगी।

TALLY ACCOUNTING

1) Telephone Exp. Dr. 1000
   Electricity Exp. Dr. 1000
   To Cash 2000
2) Computer Dr. 1200
   To Cash 600
   To Rahul 600

- Combine entry में Cash या bankdebit होता है। उसके साथ एक से अधिक खाते debit या credit होते है तो वह entry भी F6 में जाएगी।

1) Cash Dr. 1000
   Rahul Dr. 1000
   To Sale 2000
2) Cash Dr. 500
   To Commission Rec. 300
   To Iterest Rec. 200

TALLY ACCOUNTING

(SHORTCUT KEYS)

1. ALT +C (Alter+C) VoucherEntry करते समय Debit या Credit के सामने Cursor होने पर Alt+C Press करने पर Ledger Creation में पहुंचकर नया Ledger खाता तैयार कर सकते है।

Debit या Credit के सामने की जगह को छोड़करCursor पर Tally 4.5 में कहीं भी होने पर Alt+C Press करने पर Advance Calculator में पहुंचकर Calculation किया जा सकता है।

2. CTRL+R (Control+R)

Voucher Entry करते समय पिछली Entry का Account और Narration वापस लाने के लिए Ctrl+R का प्रयोग कर सकते है। जिस Function Key में Entry कर रहे होंगे केवल उसी Function Key की पिछली Entry का Narration और Account में वापस आएगा। अर्थात् F5 की Entry में F5 की पिछली Entry और Account का Narration वापस आएगा। इसी प्रकार अन्य Function Key में Entry करने पर उनकी पिछली Entry का Narration और Account वापस आएगा।

3. CTRL+A (Control + A)

Company, Account Entry बनाते एंव सुधारते समय, जैसा Screen पर दिख रहा है वैसी ही स्थिति में Save करने के लिए Ctrl+A का प्रयोग किया जा सकता है। अर्थात् जितना Matter लिखना है या Change करना है उतना Matter लिखकर या Change करके Ctrl+A press करने परSave हो जाता है।

NOTE:- Voucher Entry करते समय Page Up करके पिछलीEntryको देख सकते है।Page Downकरके आगे वाली entry देख सकते है।Page Up, Page Downसे केवल एक ही Date के Entryको देख सकते है।यदि दूसरे Date की Entry को देखना है तो BlankVoucher लाकर F2 से Date Setकरके Page Up करके Enter Press करने पर उस Date की पिछली Entry को देख सकते है।

1. Credit Purchase

Date	Party	Amount	Bill No.
01-04-2008	Sonu	10000	101
	Monu	20000	102
	Ramu	30000	103
	Raju	15000	104
	Taniya	25000	105

2. Credit Sale

Date	Party	Amount	Bill No.
02-04-2008	Ram	5000	201
	Shyam	6000	202
	Hari	7000	203
	Geeta	3000	204
	Ganegh	5000	205

Note :- Cash, Bank किसी अन्य Ledger (Sale,Purchase, Expenses, Income, Party के खाते)की Entry एंव Balance देखने एंव सुधारने के लिए
Gateway of Tally→Display→Account Book→

1. Cash Book :- यंहा से **Cash** का **Balance Entry** देंख व सुधार सकते है।

TALLY ACCOUNTING

2. Bank Book :- यंहा से **Bank** की **Entry** एंव **Balance** को देखा व सुधारा जा सकता है।
3. Ledger :- किसी अन्य खाते **(Sale, Purchase, Expenses, Income, Party** के खातो द्धकी Entry एंव Balance देख व सुधार किया जा सकता है।
4. Group Summary:-यंहा से किसी एक Group के सभी खातो की Entry एक साथ देख सकते है। उदाहरणः– किसी महीने की सभी Entry एक साथ देखना हो तो Group Summary में आकर ExpensesIndirect को Select करके Enter Press करके उस महीने में जाकर Enter Press करने पर सभी खर्चो की Entry एक साथ देख सकते है।
5. Sale Register:- यंहा से उधार Sale क Entry को देख सकते है। जो F8 Function Key में करते है। नगद एंव उधारी दोनो प्रकार के Sale की Entry देखने के लिएLedger से SaleAccount को Select करने पर नगद एंव उधार Sale दिखने लगेगा। यंहा पर Alt+F1 Press करने पर Sale की सभी Entry 2 Parts में Devide हो जाती है।
   a) Receipt Register
   b) Sale Register
   i) Receipt Register में Enter मारने पर नगद Sale की Entry दिखेगी
   ii) SaleRegister में Enter मारने पर उधारी Sale की Entry दिखेगी
6. Purchase Register :- यहां से उधार Purchase की Entry देख सकते है जो F9 में करते है । नगद एवं उधारी दोनों प्रकार की Purchase Entry देखने के लिए Ledger से Purchsase का खाता खोलते है । यहां से नगद एव उधारी दोनो की Entry दिखने लगती है । यहां पर Alt+F1Press करने पर Purchase की सभी Entry 2Part Divide हो जाती है ।
   i) Payment Register
   ii) Purchashe Register

   Payment Register मेंEnter मारने पर नगद Purchase की Entry दिखेगी ।

   Pruchase Register में Enter मारने पर उधारी Purchse की Enter दिखेगी ।
7. Journal Register यहां से Jounal Enter देख सकते है जो f7 Function Key में होती है

TALLY ACCOUNTING

NOTE 2. सारे खातों का Balance एक साथ देखने के लिए :-

Geteway Of Tally – Display – Trial Balance

यहां आकरAlt+F1Press करके सारे खातो का Balanc एक साथ देख सकते है ।

NOTE 3. Balance Sheet एवंProfit & Loss A/c देखने के लिए ।

Geteway Of Tally – Balance Sheet

यहां आकरF3Press करने पर Profit & Loss A/c देख सकते है

NOTE 4. किसी Data की सभी Funcation Key कि सारी Entery एक साथ देखने के लिए ।

Geteway Of Tally – Display-- Day Book

यहां आकरF2Press करने पर Set किए गए Date की सारी Entry देख सकते है। यदि साल भर की Entry देखना है तो F2 से 1.4.... से 31.3.... की DateRange Set करेंगें ।

***ALT+I(Alter+I)** Cash Book,Bank Book,Ledger से Entry देखते समय Alt+I Press करके Direct Voucher Creation में पहुंचकर एक नई Entrypass कर सकते है ।

***ALT +D (Alter+D)** Cash Book,Bank Book,Ledger में Entry देखते समय यदी किसी Entry को Delete करना हो तो उसे Select करके Alt+D Press करने पर वह Delete हो जाती है ।

NOTE

1. **Debtor List देखने के लिए**

   Geteway of Tally – Balance Sheet – Current Assets – Sundry Debtor

   यहां से Debtor का नाम और उनका Balance देख सकते है । Alt + P Press करके Printout निकाल सकते है ।

2. Creditor List निकालने के लिए

   Geteway of Tally – Balance Sheet – Current Liabilities – Sundry Creditors यहां से Creditor का नाम देख सकते है । Alt + Pकरके Print Out निकाल सकते है ।

TALLY ACCOUNTING

3. Daily Balance देखने के लिए
   Geteway of Tally - Display – A/c Book –Ledger यहां से किसी भी A/c को Select करके उसके अंदर जाकर किसी भी माह की Entry खोलकर F5 Press करके Daily Balance देख सकते है ।

CLOSING STOCK की ENTRYकरने कि विधि

1. Getway of Tally-A/c Information-Ledger-Create
   यहां आकर Stock – in –hand का खाता बनाएंगे जिसका Group Stock inOpening Balance में लिखेगें
2. प्रत्येक माह के Closing Stock की Entry करने के लिए
   Gateway of Tally – A/c Information –Leadger – Alter
   यहां आकर Stock in Hand का खाता Select करके प्रत्येक माह में Closing stock की Entery कर सकते है ।
3. Profit & Loss A/c में जाकर Opening Stock और Closing Stock देख सकते है ।
   Profit & Loss A/cAlteration) में पहुंचकर Closing Stock Change भी कर सकते है ।
4.

PRINT OUT निकाल ने विधि

जिस भी Report का Printout निकालना है उसे Screen पर उसी विधि से लेकर आएगें जिस विधि से देखने के लिए Screen पर लाते है । उसके बाद Alt +P press करके Enter Press करने पर Printout निकल जाता है ।

1. Cash Book,Bank Book,Ledger की Printout निकलते समयAlt+P Press करने के बाद निम्न Setting करेगें ।
   F9 से Normal Format करेगें । With Narration और With Full detail(यह केवल Ledger के Case मेदिखेगा)Yes करेगे । उसके बाद Enter Press करके Printout निकालेगें ।
2. Trial Balance,Balance Sheet और Profit & Loss A/c निकालते समय Alt+P Press करने के बाद F9 से Quick Format Set करके Enter Press करेगें ।

TALLY ACCOUNTING

किसी COMPANY के सारे खातो का PRINT OUT निकाल ने कि विधि

Getway of Tally – Printing /Export - A/c Book – Ledger

1. ONE A/C यहां से किसी एक A/c का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते है ।
2. GROUP OF A/C यहां से किसी Company के Group के सभी खातो का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते है ।
3. All A/c यहां से किसी Company के सभी Group के सभी खातो का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते है ।

   उपरोक्त सभी में Printout निकालते समय f2 से Date Set करने के बाद F3 से With Narration और With Fult Detail Option,Yes कर देगे ।

विभिन्न खातो के DEBIT & CREDIT BALANCE का महत्य एवं अर्थ

1. Purchase,Expenses,Assets,Cash A/c,Bank A/c (जिसका Group Bank हो) का हमेशा Dr Balance चाहिए । Expenses के Dr.Balance का मतलब है उतने खर्च हुए Assets के Dr. Balance का मलतब से उतने Assets है Cashऔर Bank के Dr Balance का मतलब है कि उतने Amount का Cash और Bank Balance है ।
2. Income,Sale,Liability का हमेशा Cr.Balance होना चाहिए । Income के Cr.Balance का मलतब है उतने की Income हुई Sale के Cr. Balance का मतलब है उतने का माल बैचा गया है । Liability के Cr. Balanceका मतलब है उतना Amount चुकाना बाकि है ।
3. Sundary Debtors के Dr.Balance का मतलब है हमें उनसे उतना पैसा लेना है और Debtors के Cr.Balance का मतलब है Debtor का Advance जमा है हमें उसे उतने का माल बेचना है ।
4. SundryCreditor के Cr.Balance का मतलब है उन्है पैसा देना है बाकि है और Dreditor के Dr.Balance का मतलब हमारा Balance उनके पास जमा है उतने Amount का उनसे माल खरीदना बाकि है ।

TALLY ACCOUNTING

TALLY ACCOUNTING